घणी घणी की दी थारे बोलमा खजुरिया भेरू भजन

घणी घणी की दी थारे,
बोलमा खजुरिया भेरू,
पालनो बंदावो मारे आज,
भेरू जी म्हारा,
बाजडली आई थारे द्वार।bd।

दुखीयारी री बेला बेगा,
आवजो खजुरिया भेरू,
आया आया थारोड़े दरबार,
भेरू जी म्हारा,
राखो राखो भगता वाली लाज।bd।

भीलवाड़ा जिला माई,
खजुरिया है गांव,
वटे तो बिराजिया,
मारा खजुरिया रा श्याम।bd।

शनिवार की सेवा में,
आवे भीड़ अपार,
भोपा खेले देवर माई,
साकल पंखों हाथ।bd।

कबूतरों के धान गणों है,
बर्तन का भंडार,
लंबी चौड़ी बनी सराय,
शोभा अपरमपार।bd।

चूरमो चढ़ाऊ देवा,
तेल अपरंपार,
नीलोडा नारियल चढ़ावा,
मिठाई अपार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अम्बालाल आयो शरणा माई,
सुन लीजिओ अरदास,
पालनीओ बदावों,
एक छोटी सी है अरदास।bd।

घणी घणी की दी थारे,
बोलमा खजुरिया भेरू,
पालनो बंदावो मारे आज,
भेरू जी म्हारा,
बाजडली आई थारे द्वार।bd।

गायक – भगवत सुथार।
प्रेषक – शिव सा मोरवाल।
7878188224

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com